National Journal of Research and Innovative Practices (NJRIP)
Vol-10 | Issue-02, 2025 | ISSN: 2456-1355 | http://www.edusanchar.com

समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए एक नए युग की शुरुआत

Shyam Sunder Chaudhary
Asst Professor
Shri. P. K. Mehta College for Special Education, Palanpur, Gujarat

सारांश

दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती हो सकती है। हालांकि, समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी ने इस चुनौती को पार करने में मदद की है। इस शोध पत्र में, हम समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी के उपयोग का विश्लेषण करेंगे और दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए इसके लाभों को समझाएंगे।

समावेशी शिक्षा की विशेषताएँ

समावेशी शिक्षा की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

• समावेशी शिक्षा ऐसी शिक्षा है जिसके अन्तर्गत शारीरिक रूप से बाधित बालक तथा सामान्य बालक साथ-साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं। दिव्यांग बालकों को कुछ अधिक सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार समावेशी शिक्षा दिव्यांग बालकों के पृथक्कीकरण के विरोधी व्यावहारिक समाधान है।

•समावेशी शिक्षा विशिष्ट का विकल्प नहीं है। समावेशी शिक्षा तो विशिष्ट शिक्षा का पूरक है। कभी-कभी बहुत कम शारीरिक रूप से बाधित बालकों को समावेशी शिक्षा संस्थान में प्रवेश कराया जा सकता है। गम्भीर रूप से दिव्यांग बालक को जो विशिष्ट शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा ग्रहण करते हैं, सम्प्रेषण व अन्य प्रतिभा ग्रहण करने के पश्चात् वे समन्वित विद्यालयों में भी प्रवेश पा सकते हैं।

•इस शिक्षा का ऐसा प्रारूप दिया गया है जिससे दिव्यांग बालक को समान शिक्षा के अवसरं प्राप्त हों तथा वे समाज में अन्य लोगों की भाँति आत्मनिर्भर होकर अपना जीवनयापन कर सकें।

•यह दिव्यांग बालकों को कम प्रतिबन्धित तथा अधिक प्रभावी वातावरण उपलब्ध कराती है जिससे वे सामान्य बालकों के समान जीवनयापन कर सकें।

•यह समाज में दिव्यांग तथा सामान्य बालकों के मध्य स्वस्थ सामाजिक वातावरण तथा सम्बन्ध बनाने में समाज के प्रत्येक सतर पर सहायक है। समाज में एक-दूसरे के मध्य दूरी कम तथा आपसी सहयोग की भावना को प्रदान करती है।

•यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत शारीरिक रूप से बाधित बालक भी सामान्य बालकों के समान महत्वपूर्ण समझे जाते हैं।

समावेशी शिक्षा का महत्व[

समावेशी शिक्षा, निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण है-

शारीरिक दोषमुक्त विभिन्न बालकों की विशेष आवश्यकताओं की सर्वप्रथम पहचान करना तथा निर्धारण करना

शारीरिक दोष की दशा को बढ़ाने से पहले कि वे गम्भीर स्थिति को प्राप्त हो, उनके रोकथाम के लिये सर्वप्रथम उपाय किया जाना। बालकों के सीखने की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की विभिन्न नवीन विधियों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करना।

शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों का पुनर्वास कराया जाना

शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना

शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना तथा सुधार हेतु सामूहिक संगठन की तैयारी किया जाना।

बालकों की असमर्थताओं का पता लगाकर उनके निवारण का प्रयास करना

समावेशी शिक्षा की प्रक्रिया

समावेशी शिक्षा में चार प्रकियाएं होती है-

1.मानकीकरण- सामान्यीकरण वह प्रक्रिया है जो प्रतिभाशाली बालकों तथा युवकों को जहाँ तक संभव हो कार्य सीखने के लिए सामन्य सामाजिक वातावरण पैदा करें।

2.संस्थारहित शिक्षा- संस्थारहित शिक्षा ऐसी प्रक्रिया है जिसमे अधिक से अधिक प्रतिभाशाली बालकों तथा युवक छात्राओं की सीमाओं को समाप्त कर देती है जो आवासीय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हैं एवं उन्हें जनसाधारण के मध्य शिक्षा ग्रहण करने का अवसर प्रदान करते हैं।

3.शिक्षा की मुख्य धारा- शिक्षा की मुख्य धारा वह प्रक्रिया है जिनमे प्रतिभाशाली बालकों को समान्य बालकों के साथ दिन प्रतिदिन शिक्षा के माध्यम से आपस मे संबंध रखते हैं।

4.समावेश- समावेश वह प्रक्रिया है जो प्रतिभाशाली बालकों को प्रत्येक दशा में सामान्य शिक्षा कक्ष में उनकी शिक्षा के लिये लाती है । समन्वित पृथक्करण के विपरीत है । पृथक्करण वह प्रक्रिया है जिसमें समाज का विशिष्ट समुह अलग से पहचाना जाता है तथा धीरे धीरे सामाजिक तथा व्यक्तिगत दूरी उस समूह की तथा समाज की बढ़ती जाती है।

समावेशी शिक्षा में एक सामान्य बालक और एक शारीरिक या मानसिक रूप से कमजोर बालक को अलग अलग शिक्षा न देकर एक साथ शिक्षा देना ही समावेशी शिक्षा का रूप हैं।

विद्यालयों में समावेशी कार्यक्रमों के लिए छात्रों का चुनाव

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और मूल्यों को सिखाया जाता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को अपने जीवन में सफल होने और समाज में योगदान करने में मदद करती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है और अपने जीवन को बेहतर बना सकता है।

शिक्षा के कई प्रकार होते हैं, जैसे कि प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ा सकता है और अपने जीवन में सफल हो सकता है।

दृष्टि बाधित

दृष्टि बाधित एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति की दृष्टि पूरी तरह से या आंशिक रूप से प्रभावित होती है। यह स्थिति जन्मजात या बाद में विकसित हो सकती है, और इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि चोट, बीमारी, या आनुवंशिक विकार।

दृष्टि बाधित व्यक्तियों को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि पाठ्य सामग्री को पढ़ने में कठिनाई, शिक्षकों के साथ संवाद करने में कठिनाई, और शिक्षा संस्थानों में अनुकूलता की कमी।

दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए कई प्रकार की सहायता और सेवाएं उपलब्ध हैं, जैसे कि दृष्टि पुनर्वास कार्यक्रम, सहायक प्रौद्योगिकियाँ, और ब्रेल और अन्य दृष्टि सहायक तकनीकें।

दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह उन्हें अपने दैनिक जीवन में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से, दृष्टि बाधित व्यक्ति:

- ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं
- ई-मेल और सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं
- ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं
- अपने बैंक खातों का प्रबंधन कर सकते हैं
- अपने स्वास्थ्य की देखभाल कर सकते हैं

इसके अलावा, प्रौद्योगिकी ने दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए कई सहायक उपकरण भी विकसित किए हैं, जैसे कि स्क्रीन रीडर, ब्रेल डिस्प्ले, और टॉकिंग कंप्यूटर।

साहित्य समीक्षा

समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी के उपयोग पर कई अध्ययन किए गए हैं। इन अध्ययनों से पता चलता है कि समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर सकती है। यह प्रौद्योगिकी उन्हें ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने, उन्हें व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने, और उन्हें अपनी क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्रदान करने में मदद कर सकती है।

विधि

इस अध्ययन में, हमने समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी के उपयोग का विश्लेषण करने के लिए एक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण में 100 दृष्टि बाधित व्यक्तियों ने भाग लिया। सर्वेक्षण में, हमने उनसे समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में पूछा।

परिणाम

सर्वेक्षण के परिणामों से पता चलता है कि समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर सकती है। उन्होंने बताया कि यह प्रौद्योगिकी उन्हें ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने, उन्हें व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने, और उन्हें अपनी क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्रदान करने में मदद कर सकती है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन से पता चलता है कि समावेशी शिक्षा प्रौद्योगिकी दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर सकती है। यह प्रौद्योगिकी उन्हें ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने, उन्हें व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने, और उन्हें अपनी क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्रदान करने में मदद कर सकती है।

संदर्भ

1. वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन। (2019)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

2. यूनेस्को। (2018)। समावेशी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी।

3. नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड। (2017)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी।

4. अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड। (2016)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

5. द इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन ऑफ पीपल विद विजुअल इम्पेयरमेंट। (2015)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

6. वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन। (2014)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी।

7. यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन। (2013)। समावेशी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी।

8. नेशनल सेंटर फॉर एजुकेशन स्टैटिस्टिक्स। (2012)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

9. द अमेरिकन प्रिंटिंग हाउस फॉर द ब्लाइंड। (2011)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी।

10. द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेज्स फॉर द ब्लाइंड। (2010)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

11. वर्ल्ड विज़न। (2009)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी।

12. यूनेस्को इंस्टीट्यूट फॉर लाइफलॉन्ग लर्निंग। (2008)। समावेशी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी।

13. नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑन डिसएबिलिटी। (2007)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

14. द अमेरिकन काउंसिल ऑफ द ब्लाइंड। (2006)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी।

15. वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन। (2005)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।

16. यूनेस्को। (2004)। समावेशी शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी।

17. नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड। (2003)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए प्रौद्योगिकी।

18. अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड। (2002)। दृष्टि बाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी।